राज्य मानचित्र

जम्मू और कश्मीर

JAMMU AND KASHMĪR

पैमाना 1:500,000

भारतीय सर्वेक्षण विभाग | SURVEY OF INDIA

प्रथम संस्करण 2025. मूल्य : ₹135/-

जम्मू और कश्मीर की गौरवशाली भूमि

हिमालय की गोद में बसा जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश वास्तव में " धरती का स्वर्ग " कहलाने योग्य है। मनमोहक प्राकृतिक दृश्यों, विविध संस्कृति, धार्मिक आस्था और ऐतिहासिक विरासत से परिपूर्ण यह भूमि भारत के मुकुट के समान है । जम्मू-कश्मीर का इतिहास अत्यंत प्राचीन और गौरवशाली है । कहा जाता है कि प्राचीन काल में कश्मीर की घाटी सतीसर नामक एक विशाल झील थी , जिसे ऋषि कश्यप ने सुखाकर मानव बसानें के योग्य बनाया । इसी से इसका नाम कश्मीर पड़ा। इस भूमि ने मौर्य, कुषाण, गुप्त, मुगल और डोगरा जैसे अनेक शक्तिशाली राजवंशों का शासन देखा । 1846 में महाराजा गुलाब सिंह ने इसे एक स्वतंत्र रियासत के रूप में स्थापित किया । स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद 1947 में महाराजा हरि सिंह ने भारत के साथ विलय का निर्णय लिया, जिससे जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग बन गया। वर्ष 2019 में इसे पुनर्गठित कर केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा दिया गया, जिससे विकास, शांति और प्रगति के नए द्वार खुले।

जम्मू-कश्मीर धार्मिक विविधता और आध्यात्मिक एकता का अद्भुत उदाहरण है। जम्मू क्षेत्र,जिसे मंदिरों का शहर कहा जाता है, जम्मू में वैष्णों देवी माता मंदिर, रघुनाथ मंदिर, शिव खोरी गुफा मंदिर और बाहु किला मंदिर जैसे प्रसिद्ध तीर्थ स्थल है, जहाँ प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं । वही कश्मीर घाटी में अमरनाथ गुफा मंदिर, हजरतबल दरगाह, शंकराचार्य मंदिर, खीर भवानी मंदिर और चरार-ए-शरीफ़ दरगाह जैसी धार्मिक स्थलों की श्रृंखला है, जो इस भूमि की आध्यात्मिक समरसता और सह-अस्तित्व का प्रतीक है ।

पर्यटन जम्मू-कश्मीर की आत्मा है । श्रीनगर की डल झील, अपनी तैरती हाउसबोट्स और फूलों के बागानों के साथ, देखने वालों को मंत्रमुग्ध कर देती है। निशात, शालीमार और चश्मे शाही जैसे मुगल उद्यान, गुलमर्ग की बर्फ से ढकी ढलानें, पहलगाम की हरियाली और सोनमर्ग की सुनहरी घाटियाँ इस प्रदेश को विश्व के सबसे सुंदर पर्यटन स्थलों में शामिल करती है। जम्मू क्षेत्र पत्नीटॉप, भद्रवाह, मानसर झील, सुरिनसर झील और सनासर घाटी अपनी प्राकृतिक सुंदरता और रोमांचक गतिविधियों के लिए प्रसिद्ध हैं ।पश्मीना और कानी शॉल, पेपर मेशे कला और लकड़ी की नक्काशी यहाँ के कारीगरों की अनुपम कला को दर्शाते हैं।चिनार का वृक्ष, जो हर मौसम में अपना रंग बदलता है, कश्मीर की सुंदरता और जीवनशक्ति का प्रतीक माना जाता है।

जम्मू-कश्मीर के त्योहारों में ईद, नवरात्रि, महाशिवरात्रि (हेरथ), बैसाखी, दिवाली और श्रीनगर का टयूलिप महोत्सव प्रमुख हैं, जो पूरे प्रदेश में आंनद और उमंग का वातावरण बना देते हैं। जम्मू और कश्मीर की जलवायु भी इस की तरह विविध है।जबकी कश्मीर घाटी में ठंडी, बर्फीली सर्दियाँ और सुहावनी गर्मियाँ होती हैं । यहाँ के सुंदर मौसम के साथ-साथ स्कीइंग, ट्रेकिंग, पैराग्लाइडिंग, रिवर राफ्टिंग जैसे रोमांचक खेल इसकी प्राकृतिक शोभा में चार चाँद लगा देते हैं। यहाँ का राज्य पशु हंगुल (कश्मीर हिरण) और राज्य पक्षी कालिज तीतर दुर्लभ और सुंदर जीव हैं जो इसकी जैवविविधता की समृद्धि को दर्शाते हैं।

आज जम्मू-कश्मीर केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि जीवंत विरासत है- साहस, सौहार्द, आस्था और सौंदर्य की अनूठी मिसाल है । यहाँ के लोग अपनी सरलता, मेहनत और आत्मीयता के लिए जाने जाते है । अपनी आध्यात्मिकता, प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विविधता और आधुनिक विकास की दिशा में अग्रसर यह प्रदेश वास्तव में भारत का "मुकुट मणि" है ।

- एक ऐसा स्थान जहाँ प्रकृति मुस्कुराती है, परंपराएँ जीवित हैं और हर दिल में एकता की धड़कन बसती है। -

निर्देश

राज्य के मुख्यालय का नाम	श्रीनगर, जम्मू
ज़िले के मुख्यालय का नाम	रियासी
ज़िले का नाम	रि या सी
तहसील के मुख्यालय का नाम	चिनेनी
प्रधान नगर/अन्य नगर	रामाकुण्डा
इलाके का नाम	ह रा मु ख
पर्वत या पर्वत श्रेणी का नाम	पी र पं जा ल
पर्वत शिखर	महादेव
ऐतिहासिक स्थल	अमरनाथ गुफा
मुख्यालय: राज्य/संघ राज्य क्षेत्र, जिला, तहसील, अन्य नगर	
ऊंचाई : त्रिकोणमितीय स्टेशन, प्वाइंट	△5857 · 5700
विश्राम गृह, हवाई अड्डा, दुर्ग	
रेलमार्ग : बड़ी लाइन दोहरी, बड़ी लाइन इकहरी सुरंग सहित, अन्य गेज	
उत्तर-दक्षिण गलियारा क्रमांक और सुरंग सहित, राष्ट्रीय राजमार्ग	44 1
राजकीय राजमार्ग, अन्य सड़क, बैलगाड़ी मार्ग, लद्दू मार्ग, पैदल पथ	
दर्रा, सराय	
मंदिर, गुफा	
नदी: सजल, सूखी	
नहर, झरना	
जलाशय : ताजा पानी, खारा पानी, सूखा	
हिमनद	
सीमा : अन्तर्राष्ट्रीय, राज्य, जिला	

कृपया इस मानचित्र के बारे में अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :

निदेशक
जम्मू और कश्मीर और लद्दाख भू-स्थानिक निदेशालय,
भारतीय सर्वेक्षण विभाग, गोल्फ कोर्स रोड
नगरोटा, जम्मू-181221

वेबसाइट - www.surveyofindia.gov.in

1 सेंटीमीटर = 5 किलोमीटर

प्रक्षेप : लैम्बर्ट अनुरूपी शांकव
आधार : डब्ल्यू. जी. एस. 84

टिप्पणी

- ऊंचाईयां मीटर में हैं।
- राज्य और जिलों के मुख्यालय, मानचित्र के मुख्य भाग में बॉक्सों में दर्शाये गये हैं।
- मानचित्र में दर्शायी गई जम्मू और कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र और लद्दाख़ संघ राज्य क्षेत्र की प्रशासनिक सीमाओं को
- अभी राज्य के सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा प्रमाणित किया जाना है।
- इस मानचित्र में दिये हुए भौगोलिक नामों का वर्णयोग प्रमाणिक नहीं है।
- इस मानचित्र में कटरा से बनिहाल के बीच रेलवे एलाइनमेंट लगभग अनुमानित है और यह ओपन सोर्स से ली गई है।

रजि. सं. 351 भा. स. वि. मु. डी' 25 (ज. औ. क. औ. ल. जी. डी. 1:500,000) - 60.
प्रथम संस्करण 2025

भारत के महासर्वेक्षक हितेश कुमार एस. मकवाणा, भा.प्र.से., के निदेशन में प्रकाशित,
भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हाथीबड़कला एस्टेट, पोस्ट बाक्स सं0 37, देहरादून - 248001 (उत्तराखण्ड)
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार।
2025.

भारतीय सर्वेक्षण विभाग के मुद्रणालय द्वारा मुद्रित।

© भारत सरकार प्रतिलिप्यधिकार, 2025.

राष्ट्रीय मानचित्रण संस्था, भारतीय सर्वेक्षण विभाग की लिखित अनुमति के बिना किसी भी माध्यम से पूरे मानचित्र या किसी भाग का पुनरुत्पादन वर्जित है।